+ ELIAS FRANK
ARCHBISHOP OF CALCUTTA

THE ROMAN CATHOLIC
ARCHDIOCESE OF CALCUTTA

Archbishop's House | 32 Mother Teresa Sarani | Kolkata 700 016 | West Bengal, India
Tel. : +9133 2287 1960 (O) I +91 94344 89106 (P)
E-mail: calcuttaarch@gmail.com (O) I asndio25bpefrank@gmail.com (P)

कोलकाता के महाधर्माध्यक्ष का पास्टोरल पत्र

ख्रीस्त में प्रिय भाइयों और बहनो,

आपको ख्रीस्त की शांति!

इस महान और ऐतिहासिक कलकत्ता के महाधर्मप्रांत के दसवें महाधर्माध्यक्ष के रूप में मेरी सेवकाई के प्रथम दिन, मैं आप सबको शांति का अभिवादन और अपना प्रेरितिक आशीर्वाद प्रदान करता हूँ।

महाधर्मप्रांत अपने क्षेत्रफल में बहुत विशाल है, इसलिए इसका पूरा दौरा करने में मुझे कई महीने लगेंगे। फिलहाल, मैं आप तक इस पत्र के माध्यम से पहुँचना चाहता हूँ। यह मुझे उन लोगों से अपना परिचय कराने का अवसर भी देता है, जो अभी तक मुझे नहीं जानते।

मै पहली बार 1979 में किशोरावस्था में कोलकाता आया। मैंने यहाँ परवरिश पाई, अपनी पढ़ाई पूरी की, और बंगाल मेरा घर बन गया। मेरा बंगाल आना मेरी अपनी इच्छा नहीं थी, बल्कि मई 1979 में मेरे भीतर सुनी गई एक "व्यक्तिगत पुकार" का उत्तर था। बंगाल आना उस दिव्य आज्ञा के प्रति मेरा समर्पण था।

एक पुरोहित के रूप में, मैंने अपने अधिकांश वर्ष संताल समुदाय के बीच कार्य करते हुए बिताए हैं, और हृदय से मैं उनके साथ एक हो गया हूँ। एक विद्यार्थी के रूप में, मैंने बांग्ला सीखना शुरू किया और शीघ्र ही इस भाषा से प्रेम करने लगा, एक सच्चा बांग्ला प्रेमी बन गया।

सन् 1993 में, मुझे हावड़ा स्थित आवर लेडी ऑफ हैप्पी वॉयज चर्च में पुरोहित के रूप में अभिषिक्त किया गया, क्योंकि मैं चाहता था कि मेरा अभिषेक महाधर्मप्रांत के भीतर ही हो, यद्यपि मेरा अभिषेक मेरे मूल स्थान पर भी हो सकता था।

कलीसिया केवल मसीह के नाम पर एकत्रित सभा ही नहीं है, बल्कि मसीह का शरीर भी है, जिसमें वही इसका मस्तक है (कुल. 1:18)। वही इसके सभी सदस्यों के लिए एकता का स्रोत है (*Lumen Gentium*, न. 7) कुरिन्थियों को लिखते हुए संत पॉल कहते हैं: "जैसे शरीर एक है, यद्यपि उसके कई अंग होते हैं, और शरीर के सभी अंग अनेक होते हुए भी एक ही शरीर हैं, वैसे ही मसीह भी है।

क्योंकि हम सबने एक आत्मा में बपतिस्मा लिया है ताकि एक शरीर बनें - चाहे यहूदी हों या यूनानी, दास हों या स्वतंत्र - और **हम सब को उसी एक आत्मा का पान कराया गया हैं"** (1 कुरिन्थियों 12:12-13)। जितना हम आत्मा की एकता में बढ़ते हैं, उतना ही हम कलीसिया का निर्माण करते हैं।

महाधर्मप्रांत अनेक पल्लियों और धार्मिक संस्थानों से परिपूर्ण है। कोलकाता, राज्य बंगाल की राजधानी भी है। ये दोनों वास्तविकताएँ महाधर्माध्यक्ष की उपस्थिति को अनेक स्थानों पर और अनेक परिस्थितियों में उसके हस्तक्षेप को आवश्यक बनाती हैं। फिर भी, हर एक अनुरोध को स्वीकार करना न तो शारीरिक रूप से संभव है और न ही आत्मिक रूप से लाभदायक। महाधर्मप्रांत की अधिक भलाई के लिए मुझे चुनाव करने होंगे - क्या स्वीकार करना है और क्या अस्वीकार, कहाँ जाना है, और कहाँ नहीं जाना है।

वर्तमान समय में, मेरी प्राथमिकता पल्लियों का दौरा करना और वहाँ के पुरोहितों तथा विश्वासियों से परिचय करना होगी। इन पल्लियों के दौरों के दौरान, मेरा उद्देश्य धार्मिक संस्थानों का भी भ्रमण करने का है।

धर्मप्रांत के विकार जनरल (वी.जी.) और डीन मेरे प्रत्यक्ष सहयोगी हैं। वी.जी. महाधर्मप्रांत के प्रशासन की देखरेख करेंगे। किसी भी प्रशासनिक विषय के लिए, मैं आपसे विनम्र अनुरोध करता हूँ कि आप उनसे संपर्क करें। डीन मुझे लीतुर्गिकल (धार्मिक अनुष्ठानों) और अन्य कार्यों में प्रतिनिधित्व करेंगे, जहाँ महाधर्माध्यक्ष की उपस्थिति आवश्यक नहीं है।

इस समय, मैं आर्चबिशप एमेरिटस थॉमस डि'सूज़ा को, तथा उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने मेरा स्वागत किया, महाधर्माध्यक्ष निवास पर मुझसे भेंट की और अपनी प्रार्थनाओं के द्वारा मेरा साथ दिया।

अंत में, मैं पुरोहितों से निवेदन करता हूँ कि वे इस पत्र को रविवार की घोषणाओं के दौरान पढ़ें और इसे विश्वासियों में वितरित करें।

प्रभु आपको आशीर्वाद दें और सदैव अपनी शांति में बनाए रखें।

ख्रीस्त में आपका,

महाधर्माध्यक्ष एलियास फ्रैंक
कलकत्ता आर्चडायोसिस के आर्चबिशप
20 September 2025

Elias Frank
Archbishop Of Calcutta